PM COLLEGE OF EXCELLENCE
OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR
Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)
(Registered Under Section 2(F) & 12(B) of UGC Act)
E-mail: hegtdcano@mp.gov.in
9893076404

हिन्दी ग्रंथ अकादमी की पुस्तकों के प्रचार-प्रसार हेतु विषय विद्यार्थी जीवन में पुस्तकों का महत्व पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 16/08/2024

आज के डिजिटल युग में साहित्यिक ग्रंथों का संरक्षण और प्रचार आवश्यक हो गया है। इसी उद्देश्य से हिंदी ग्रंथ अकादमी विद्यार्थी पुस्तक सहायता केंद्र ने पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनुपपुर में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। इसका उद्देश्य हिंदी साहित्य के महत्व को उजागर करना और अकादमी द्वारा प्रकाशित पुस्तकों की महत्ता को समाज में प्रचारित करना था। कार्यक्रम में छात्रों और शिक्षकों को हिंदी साहित्य की समृद्ध परंपरा से अवगत कराने के लिए महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई, जिससे साहित्य के प्रति जागरूकता बढ़ी।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. के के संत द्वारा की गई कार्यक्रम का संचालन डॉ. आकांक्षा राठौर द्वारा किया गया।

प्रोफेसर शाहबाज खान ने अपने संबोधन में छात्रों को हिंदी ग्रंथ अकादमी की पुस्तकों के अवलोकन और उन्हें खरीदने की प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हिंदी ग्रंथ अकादमी की पुस्तकें छात्रों के शैक्षणिक विकास में अहम भूमिका निभाती हैं और उन्हें अपने अध्ययन में सहायक बनाती हैं। उन्होंने छात्रों को यह भी प्रोत्साहित किया कि वे इन पुस्तकों का अधिकतम लाभ उठाएँ और अपने शैक्षणिक जीवन में सफलता प्राप्त करें।

डॉ. आकांक्षा राठौर ने ग्रामीण परिवेश के छात्रों के लिए हिंदी ग्रंथ अकादमी की पुस्तकों की उपयोगिता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि अकादमी की पुस्तकों में न केवल विषय सामग्री से संबंधित ज्ञान है, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा को प्रोत्साहित करने वाली पुस्तकों, जैसे रामायण और गीता, का भी संग्रह उपलब्ध होंगे । इन पुस्तकों का अध्ययन न केवल छात्रों के शैक्षणिक विकास में मदद करेगा, बल्कि वे भारतीय सांस्कृतिक धरोहर को भी समझने में सहायक होंगी।

डॉ. दीपक गुप्ता ने भी हिंदी ग्रंथ अकादमी की पुस्तकों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ये पुस्तकें छात्रों के लिए ज्ञानवर्धक हैं और उन्हें अपने शैक्षणिक जीवन में सफल होने के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि हिंदी साहित्य और भारतीय परंपरा को समझने के लिए इन पुस्तकों का अध्ययन अत्यंत महत्वपूर्ण है

Jaithari Road Anuppur, District- Anuppur, Madhya Pradesh, Pin Code:- 484224 www.gtcanuppur.ac.in

इस कार्यशाला में बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया और हिंदी ग्रंथ अकादमी की पुस्तकों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। छात्रों ने वक्ताओं द्वारा दी गई जानकारी को अपने शैक्षणिक जीवन में महत्वपूर्ण मानते हुए सराहा। उन्होंने इन पुस्तकों के अध्ययन को अपनी शिक्षा में सहायक माना और इसे अपने जीवन में लागू करने का संकल्प लिया।

इस एक दिवसीय कार्यशाला ने छात्रों को हिंदी ग्रंथ अकादमी की पुस्तकों के महत्व और उपयोगिता के प्रति जागरूक किया। इससे छात्रों को अपने शैक्षणिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता मिलेगी और वे भारतीय ज्ञान परंपरा से भी जुड़ सकेंगे।

व्याख्यान देते हुए मुख्य वक्ता

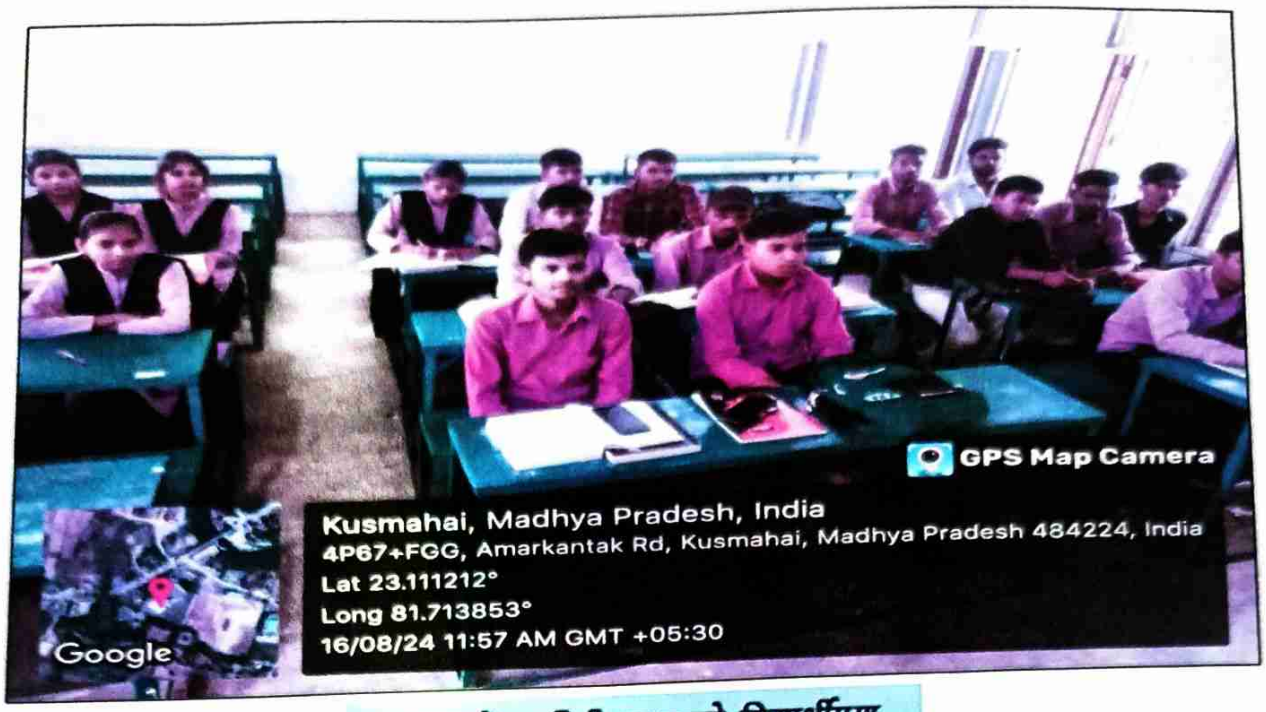

पुस्तकों का निरीक्षण करते विद्यार्थीगण

"प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस"
शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर (म.प्र.)

मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी

विद्यार्थी पुस्तक सहायता केंद्र

एक दिवसीय कार्यशाला

दिनांक 16.08.2024

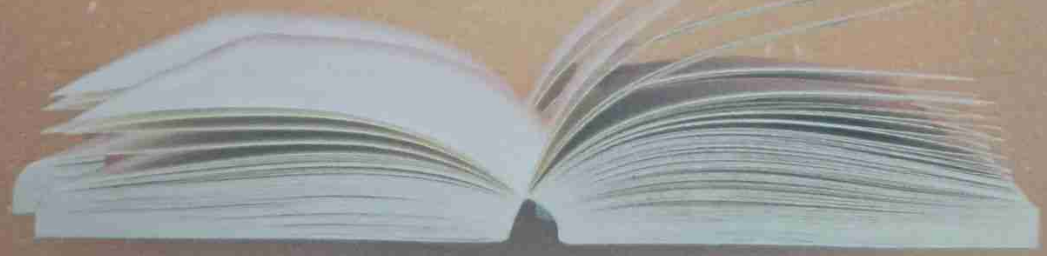

संयोजक

डॉ. आकांक्षा राठौर

प्राचार्य

डॉ. जे. के. संत

हमारी भाषा, हमारी पहचान - हिंदी को हमेशा जीवित रखें ।